www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 194 | जौनपुर शनिवार, 28 फरवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राजस्थान विधानसभा में शिक्षा मंत्री के बयान पर हंगामा

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर शिक्षा मंत्री के जवाब से नाराज कांग्रेस विधायकों ने जमकर हंगामा किया। हालात ऐसे बने कि स्पीकर को सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। सीकर जिले में खेल मैदान से जुड़े मुद्दे पर कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा था। इस पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जवाब देते हुए टिप्पणी की कि आप उसी जगह क्यों चाहते हो? क्या उस पर आपके चहेतों की नजर है? मंत्री के इस बयान से सदन में तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। राजेंद्र पारीक ने पलटवार करते हुए कहा कि ऐसा जवाब अस्थिर मानसिकता वाला व्यक्ति ही दे सकता है। इसके बाद कांग्रेस विधायक वेल में पहुंच गए और शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हंगामे के बीच स्पीकर ने दोपहर 1 बजकर 35 मिनट तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। कार्यवाही पुनः शुरू होने पर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अनुदान मांगें सदन में रखी गईं और इस पर बहस प्रारंभ हुई। इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान पशुधन बीमा योजना को लेकर भी सदन में हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी के प्रश्न पर पशुपालन मंत्री के जवाब से विपक्ष असंतुष्ट दिखा। हरीश चौधरी द्वारा की गई टिप्पणी पर भाजपा विधायकों और मंत्रियों ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में एक बार फिर शोर–शराबे की स्थिति बन गई।

देश से माफी मांगें पीएम नरेंद्र मोदी : संजय सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आरोप मुक्त करार दिए जाने पर आप सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज अदालत ने अपने फैसले में कह दिया है कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के नेता ईमानदार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने देश के सबसे ईमानदार दल आम आदमी पार्टी को बदनाम करने के लिए षड्यंत्र रचा और आज यह षड्यंत्र नाकाम हो गया। अब अगर प्रधानमंत्री में जरा भी शर्म बची हो तो वह पूरे देश से माफी मांगें और कहें कि उन्होंने आप को बदनाम करने के लिए यह षड्यंत्र रचा था। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और पूरी आम आदमी पार्टी, भाजपा की तानाशाही के सामने चट्टान की तरह डटकर लड़ते रहे और आगे भी लड़ते रहेंगे।

पीएम मोदी ने बजट के बाद आयोजित होने वाले वेबिनार को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम मोदी 27 फरवरी को लगभग 11: 30 बजे "विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार और वित्त" विषय पर आयोजित बजट पश्चात वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करेंगे। इस वेबिनार में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने, अवसंरचना विकास, बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, वित्तीय क्षेत्र की संरचना को सुदृढ़ करने, पूंजी बाजारों को मजबूत बनाने तथा कर सुधारों के माध्यम से नागरिकों के जीवनयापन को अधिक सरल और सुगम बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। यह वेबिनार केंद्रीय बजट 2026–27 से उभरने वाले प्रमुख विषयों पर आयोजित किये जा रहे बजट पश्चात वेबिनारों की श्रृंखला में पहला है। इन वेबिनारों का उद्देश्य पिछले अनुभवों से सीख लेना और प्रतिभागियों से संरचित प्रतिक्रिया प्राप्त करना है ताकि वित्त वर्ष 2026–27 के बजट घोषणाओं के परिणामोन्मुखी कार्यान्वयन को सुदृढ़ और सुनिश्चित किया जा सके, जिसमें विभिन्न हितधारकों के व्यावहारिक अनुभव और अंतर्दृष्टि का लाभ उठाया जा सके। इनमें उद्योग, वित्तीय संस्थानों, बाजार प्रतिभागियों, सरकार, उद्योग नियामकों और शिक्षा जगत के हितधारकों को एक साथ लाया जाएगा ताकि प्रमुख बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन मार्गों पर विचार–विमर्श किया जा सके। नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का एक चौथाई बीतने के साथ भारत तेज आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण चरण में है। पिछले एक दशक में देश ने असाधारण लचीलापन दिखाया है, जो संयोग नहीं बल्कि दृढ़ नीतिगत सुधारों का परिणाम है। प्रक्रियाओं के सरलीकरण, टेक्नोलॉजी–आधारित गवर्नेंस और मजबूत संस्थागत ढांचे ने अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। उन्होंने सुधारों के आकलन को घोषणाओं के बजाय जमीनी प्रभाव से जोड़ने पर बल दिया।उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर विशेष फोकस रखा गया है। हाईवे, रेलवे, पोर्ट, डिजिटल नेटवर्क और पावर सिस्टम जैसे ठोस परिसंपत्तियों से दीर्घकालिक उत्पादकता पैदा होगी।

टैरिफ अनिश्चितता के बीच पीयूष गोयल ने दिया भारत के हितों की रक्षा का भरोसा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा पहले घोषित टैरिफ बढ़ोतरी को रद्द किए जाने के बाद बदली हुई स्थिति को देखते हुए, यदि आवश्यक हुआ तो भारत अपने हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में फिर से संतुलन लाने का प्रयास करेगा। गोयल ने एक मीडिया इवेंट में कहा, "अमेरिकी टैरिफ को लेकर बदलती स्थिति को देखते हुए हम हालात पर नजर रखेंगे और भारत के हितों की रक्षा सुनिश्चित करेंगे।"

उन्होंने कहा कि हालात लगातार बदल रहे हैं और प्रशासन के पास विभिन्न उपाय मौजूद हैं, जिनका वे इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से आगे भी कई कदम उठाए जा सकते हैं, जिनमें टैरिफ को 15: तक बढ़ाने की संभावना भी शामिल है। गोयल ने कहा कि यदि हालात बदलते हैं तो समझौते में फिर से संतुलन स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत–अमेरिका के संयुक्त बयान में भी यह स्पष्ट किया गया है कि परिस्थितियों में बदलाव होने पर समझौते को संतुलित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों के बीच अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता जारी है और समझौते के कई सकारात्मक पहलू सामने आए हैं। गोयल ने दोहराया कि प्रस्तावित व्यवस्था में भारत के संवेदनशील डेयरी और कृषि क्षेत्रों को संरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद इस वर्ष भारत के निर्यात में वृद्धि की संभावना है। भारत और वाशिंगटन ने अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर आधिकारिक बैठक को पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है, ताकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के प्रभावों पर विस्तार से विचार किया जा सके।

एक साथ चार विधानसभाओं से शुरू होगी भाजपा की परिवर्तन यात्रा, अमित शाह दिखाएंगे हरी झंडी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने राज्यभर में 'परिवर्तन यात्रा' निकालने की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2 मार्च को इस यात्रा को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, अमित शाह 1 मार्च को रात करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वे प्रदेश नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

भाजपा नेताओं के अनुसार, 2 मार्च की सुबह दक्षिण 24 परगना जिले के रायदिघी विधानसभा क्षेत्र से परिवर्तन यात्रा का औपचारिक शुभारंभ होगा। यहां अमित शाह कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इसी दिन राज्य के चार अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों से चार समानांतर परिवर्तन यात्राएं एक साथ शुरू की जाएंगी। इधर, राज्य पुलिस ने परिवर्तन यात्रा के लिए अनुमति नहीं दी है। इसके बाद भाजपा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी ने 22 फरवरी को संबंधित थानों में अनुमति के लिए आवेदन दिया था, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने पर अदालत में याचिका दायर की गई। सूत्रों के अनुसार, जस्टिस शुभ्रा घोष की अदालत में मामले की सुनवाई होने की संभावना है। भाजपा का कहना है कि वह कानूनी प्रक्रिया के तहत अनुमति हासिल कर कार्यक्रम को सफल बनाएगी। राज्य की सियासत में इस घोषणा के बाद हलचल तेज हो गई है।

सीएम योगी ने सभी कर्मचारियों को होली पर दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के मद्देनजर राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आउटसोर्सिंग कर्मियों, संविदाकर्मियों, सफाईकर्मियों समेत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों का वेतन होली से पहले उनके खातों में पहुंच जाना चाहिए। इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री का यह निर्देश ऐसे समय आया है जब त्योहारों के दौरान कर्मचारियों को आर्थिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकार विशेष सतर्कता बरत रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भुगतान प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी कर्मचारी वेतन से वंचित न रहे।राज्य सरकार ने होली को लेकर अवकाश और कार्यदिवस की संशोधित व्यवस्था भी घोषित की है। 28 फरवरी, जो शनिवार है, उसे कार्यदिवस घोषित किया गया है।

वहीं 2, 3 और 4 मार्च को होली का अवकाश रहेगा। साथ ही 3 मार्च को विशेष रूप से होली के उपलक्ष्य में छुट्टी रहेगी। सरकार का कहना है कि कार्यदिवस में परिवर्तन का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों को संतुलित रखना और त्योहार के दौरान कर्मचारियों को पर्याप्त अवकाश उपलब्ध कराना है।होली से पहले वेतन भुगतान के निर्देश के साथ ही राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है जिन्होंने अभी तक अपनी चल–अचल संपत्तियों का विवरण प्रस्तुत नहीं किया है। शासनादेश के अनुसार, ऐसे कर्मचारियों को 10 मार्च 2026 तक अपना विवरण अपलोड करने का अंतिम अवसर दिया गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, 24 नवंबर 2025 को सभी राज्यकर्मियों को 31 जनवरी 2026 तक अपनी संपत्ति का विवरण देने का निर्देश दिया गया था। 6 जनवरी 2026 को यह स्पष्ट कर दिया गया था कि जो कर्मचारी निर्धारित समयसीमा तक विवरण अपलोड नहीं करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की स्वदेशी उड़ान, जैसलमेर से 'प्रचंड' हेलीक प्टर में हुई सवार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को एक कीर्तिमान स्थापित करते हुए स्वदेश में निर्मित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में एक विशेष उड़ान भरी। दरअसल शुक्रवार 27 फरवरी को राष्ट्रपति राजस्थान के जैसलमेर में मौजूद रहीं। यहां वह भारतीय वायुसेना के प्रमुख युद्धाभ्यास 'वायुशक्ति' की साक्षी बनीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यहां पहुंचने पर स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में यह विशेष उड़ान भरी। इस दौरान वह फ्लाइंग हेलमेट और फ्लाइट ड्रेस में नजर आईं। गौरतलब है कि 'प्रचंड' हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इसे विशेष रूप से

कठिन युद्ध परिस्थितियों में संचालन के लिए तैयार किया गया है। यह ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी उड़ान भर सकता है। 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर में राष्ट्रपति की यह उड़ान स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देश की प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। राष्ट्रपति की यह उड़ान दो 'प्रचंड' हेलिकॉप्टरों के समूह के रूप में संचालित की गई। दूसरे हेलिकॉप्टर में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह सवार रहे। भारतीय वायुसेना द्वारा द्वारा आयोजित 'वायु शक्ति 2026' अभ्यास में विभिन्न लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और उन्नत हथियार प्रणालियां अपनी मारक क्षमता और सटीकता का प्रदर्शन कर रही हैं। यह अभ्यास देश की वायु शक्ति, सामरिक तैयारी और पेशेवर दक्षता को प्रदर्शित करने का प्रमुख मंच है। वहीं ऐसे सैन्य प्लेटफार्म से राष्ट्रपति की यह ऐतिहासिक उड़ान सशस्त्र बलों के मनोबल को और सुदृढ़ करेगी। साथ ही यह स्वदेशी रक्षा उत्पादन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दिसंबर माह के दौरान को भारतीय नौसेना की स्वदेशी रूप से निर्मित

गलत मतलब न निकालें जाएं, इस डर से मजाक भी नहीं कर रहे नेता, सीएम फडणवीस का बयान

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को भाषणों में हास्य के घटते स्तर पर अफसोस व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे भाषणों का आनंद फीका पड़ रहा है, क्योंकि लोग अब गलत व्याख्या से बचने के लिए सावधानी बरत रहे हैं। फडणवीस विधान भवन में मराठी भाषा गौरव दिवस समारोह में बोल रहे थे। राज्य सरकार ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कवि वी.वी. शिरवाडकर की जयंती के उपलक्ष्य में मराठी भाषा गौरव दिवस मनाती है, जो कुसुमाग्रज उपनाम से लिखते थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि, जब हास्य को कभी–कभी (अनावश्यक रूप से) किसी की पहचान से जोड़ा जाता है। संदर्भ से बाहर ले जाया जाता है, तो यह अपनी चमक खो देता है। लोग अब हास्य का प्रयोग अत्यंत सावधानी से करने लगे हैं। हास्य से भरपूर भाषण से मिलने वाला आनंद अब काफी कम हो गया है। मराठी की विरासत पर प्रकाश डालते हुए, फडणवीस ने कहा कि इस भाषा ने समाज और शासन में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे : मुख्यमंत्री मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राम की महिमा राजस्थान और मध्य प्रदेश मिलकर बढ़ा रहे। इसके साथ ही मध्य प्रदेश सरकार राम और कृष्ण के जहां–जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री यादव गुरुवार को राजस्थान के भीलवाड़ा में हरिशेवा उदासीन आश्रम के स्थानापति महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज की मौजूदगी

में हुए सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें सेवा, समर्पण, विश्व बंधुत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की परोपकारी भावना में निहित हैं। सेवाभाव ही हमारी संस्कृति का प्राण है और जीवमात्र की सेवा ही श्रीहरि की सेवा है, सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि श्रा से राजस्थानश और श्म से मध्यप्रदेशश मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार राम और कृष्ण के जहां–जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। हम श्रीरामचन्द्र गमन पथ और श्री कृष्ण पाथेय तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों, करुणा, सद्भाव और समरसता के प्रसार में संतजनों की भूमिका निरापद रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। हंसराम महाराज धर्म के सभी मूल्यों, भक्ति, सेवा, सत्य और अहिंसा को जीवंत रख रहे हैं। आश्रम के माध्यम से हजारों असहायों को सहारा दिया।

पिछले दिनों देश की उपासना मे जाम के मकड़जाल मे जकड़ी अयोध्या नगरी शीर्षक से छपी खबर को संज्ञान मे लेते हुए एसपी ट्राफिक ने खुद चलाया चेकिंग अभियान

आखिर कब जाम की मकड़ जाल से मुक्त होगी रामनगरी

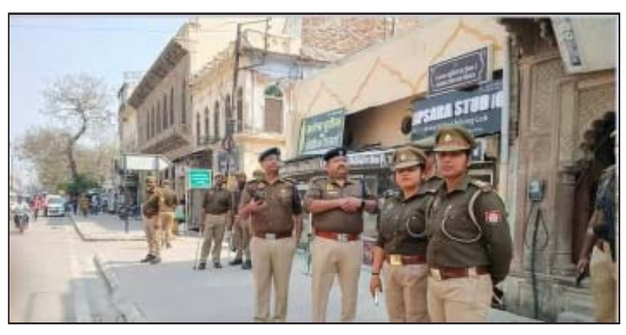

(राजेश श्रीवास्तव
ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।पिछले दिनों देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र मे ष्जाम के मकड़जाल जकड़ी अयोध्या नगरीष् शीर्षक से छपी खबर को संज्ञान में लेते हुए शनिवार को खुद एसपी ट्रैफिक एपी सिंह ने सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे के साथ रामपथ पर चेकिंग अभियान चलाया।उन्होने शनिवार को यह चेकिंग अभियान उन दो पहिया व चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ चलाया जो रामपथ पर अपने–अपने वाहनों को सड़कों के दोनों तरफ खड़ी कर देते थे।जिससे कि घंटो जाम लगा रहता था।उन्होंने इस मौके पर उन्होंने कई चार पहिया वाहनों के साथ तीन पहिया व चार पहिया वाहनों को क्रेन से पुलिस लाइन भेजा।उन्होंने यह अभियान सिविल लाइन से लेकर रिकाबगंज चौराहे तक कई घंटे तक चलाया।

बताते चले इस बीच में जिला अस्पताल, पुलिस लाइन चौराहा, सिविल लाइन सहित कई ऐसे प्रमुख चौराहे हैं जहाँ पर वाहन चालक अपने–अपने वाहनों को राम पथ पर दोनों ओर खडी कर देते थे।जिससे कि घंटो जाम लग जाता था। इस गंभीर समस्या को कई बार देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था।सबसे ज्यादा विकट स्थिति जिला अस्पताल के सामने लगे जाम के चलते होती थी।क्योंकि कभी–कभी इतना जाम लग जाता था कि एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय आने वाले मरीजों को काफी देर तक इस जाम में फंसे रहना पड़ता था।जिसको लेकर शनिवार को एसपी ट्रैफिक एपी सिंह ने सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अवनीश पांडे, प्रभारी निरीक्षक यातायात के अलावा अन्य पुलिस कर्मियों के साथ यह अभियान चलाया उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा जो की शहर के विभिन्न चौराहा तथा मार्गों पर चलाया जाएगा उन्होंने वाहन चालकों से अपील किया कि वह सभी अपने–अपने वाहनों को पार्किंग जोन में ही खड़ी करें।

संपादकीय

एआई बुलबुला फूटा

लिथियम–आयन बैटरियों और सोलर पैनल का आविष्कार अमेरिका में हुआ, लेकिन उनमें कारोबारी दौड़ चीन ने जीती। हाई–टेक चमत्कार को उसने सस्ते माल में बदल दिया, जिससे पश्चिमी कंपनियां होड़ से बाहर हो गईं। चीन यही नजरिया एआई क्षेत्र में अपना रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट की शुरुआत से ठीक पहले चीन की कंपनी बाइटडांस ने वीडियो बनाने में सक्षम नया ओपन सोर्स एआई मॉडल लॉन्च किया, जिससे डीपसीक से मिलती–जुलती सनसनी दुनिया में फैली। सीडडांस 2.0 नाम का ये मॉडल टेक्स्ट, तस्वीर, ऑडियो और वीडियो की एक साथ प्रोसेसिंग में सक्षम बताया गया है। इससे फिल्म निर्माण, ई–कॉमर्स, और विज्ञापन संबंधी उत्पादों को डिजाइन करना सस्ता हो जाएगा। इस घटनाक्रम ने अमेरिका में एआई सेक्टर में हो रहे विशाल निवेश की उपयोगिता पर फिर बहस खड़ी की है। अमेरिकी मॉडल आविष्कार को बौद्धिक संपदा में तब्दील कर मुनाफा कमाने के नजरिए पर केंद्रित है। इसीलिए वहां इस क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश किया गया है, जिसे अनेक अर्थशास्त्री एआई बुलबुला कहते हैं। वहां की कंपनियां इस सोच को लेकर अपना भविष्य दांव पर लगा रही हैं कि उच्च–गुणवत्ता वाला एआई हमेशा एक लग्जरी प्रोडक्ट रहेगा। मगर चीनी के ओपन–सोर्स डेवलपर्स दिखा रहे हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तव में एक सामान्य वस्तु है। इस सिलसिले में ये उदाहरण दिया गया है कि लिथियम–आयन बैटरियों और सोलर पैनल का आविष्कार अमेरिका में हुआ, लेकिन उनमें कारोबार की दौड़ चीन ने जीती। ऐसा उसने बेहतर आविष्कार के जरिए नहीं किया, बल्कि विशाल पैमाने पर उत्पादन के जरिए बाजार में उसने अपने पांव फैला लिए। यानी हाई–टेक चमत्कार को सस्ते माल में बदल दिया, जिससे पश्चिमी प्रतिस्पर्धी कंपनियां होड़ से बाहर हो गईं। चीनी कंपनियां यही नजरिया एआई के मामले मे अपना रही हैं। मसलन, डीपसीक का रिजनर मॉडल लगभग 55 सेंट प्रति टोकन कीमत पर उपलब्ध है, तो वैसे में लगभग साढ़े पांच डॉलर में चौट जीपीटी के टोकन लेने में कितने लोगों की दिलचस्पी होगी? इसलिए एआई बुलबुले के फूटने की आशंकाएं गहराती चली जा रही हैं। पिछले महीने भारतीय संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में इस घटनाक्रम को लेकर चेतावनी दी गई थी। कहा गया कि अमेरिका में एआई बुलबुला फूटा, तो उसका बहुत खराब असर भारत जैसे देशों पर भी होगा। अभी जबकि नई दिल्ली में एआई समिट में तमाम तरह की बातें हो रही हैं, इस बुनियादी पहलू को याद रखना बेहद जरूरी है।

विदेश नीति को बदलते प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतिहास में अपना नाम किन अक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं, ये तो पता नहीं, लेकिन भारत की विदेश नीति का जो गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास रहा है, उसे वो पूरी तरह मटियामेट करना चाहते हैं, यह साफ नजर आ रहा है। वैसे भी जब इतिहास की पूरी समझ न हो, या जानबूझकर इतिहास को नजरंदाज किया जाता है तो वर्तमान और भविष्य दोनों किस तरह खतरे में पड़ जाते हैं, इसका बड़ा उदाहरण नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा से मिल ही रहा है। महज दो दिनों के लिए मोदी इजरायल गए, लेकिन वहां जो कुछ उन्होंने कहा, उससे भारत की बरसों की मेहनत पर पानी फिर गया है। बुधवार को इजरायली संसद नेसेट में जिस तरह का भाषण प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है, उसमें वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि इजरायल ने फिलीस्तीन में हमास को खत्म करने के नाम पर जो नरसंहार किया, उस पर दुनिया भर में चिंता जाहिर की जा रही है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद में जाकर हमास की न केवल आलोचना की, बल्कि तीन साल पहले 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की तुलना भारत में मुंबई के आतंकी हमले से कर दी। माना कि दोनों में निर्दोष लोगों की ही जान गई, लेकिन सोचने वाली बात ये है कि नरेन्द्र मोदी को यूपीए सरकार में हुआ मुंबई हमला अगर याद आया तो खुद की सरकार में हुए पुलवामा और पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमलों को वो कैसे भूल गए। होता तो यही है कि इंसान को हाल की बात पहले याद आती है और पुरानी बात बाद में। लेकिन मोदीजी के साथ उल्टा ही हो रहा है। उन्हें अपने कार्यकाल का कुछ याद नहीं रहता, केवल कांग्रेस की सरकारों की बातें याद पड़ती हैं।अपने संबोधन में मोदी ने गजा शांति पहल को क्षेत्र में श्न्यायपूर्ण और स्थायी शांतिश की दिशा में एक रास्ता बताया। यानी सीधे–सीधे अमेरिका की तारीफ उन्होंने की। इसके साथ ही इजरायल के साथ एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि श्कहीं भी आतंकवाद शांति को हर जगह खतरे में डालता हैश। गौर कीजिए कि मोदी ने इजरायल की कुर्बानियों का जिक्र किया लेकिन गजा में मारे गए 70 हजार लोगों की हत्या और हमदर्दी के लिए एक शब्द नहीं कहा, वो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्हें तो ट्रंप और नेतन्याहू से दोस्ती निभानी है। मोदी ने गजा नरसंहार को पूरी तरह नजरन्दाज किया, यहां तक तो ठीक है, लेकिन दुख इस बात का है कि अपने साथ–साथ उन्होंने पूरे देश की जनता को इजरायल के साथ खड़ा दिखाया। मोदी ने कहा, श्मैं भारत की जनता की ओर से हर खोई हुई जान के लिए गहरी संवेदना लेकर आया हूं और हर उस परिवार के लिए जिनका संसार 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बर्बर आतंकवादी हमले में टूट गया। हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपका दुख साझा करते हैं। भारत इजरायल के साथ मजबूती से, पूरे विश्वास के साथ, इस पल में और उसके आगे भी खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। कुछ भी आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता।श कितने सुविधाजनक तरीके से मोदी ने गजा में नेतन्याहू के इजरायली आतंकवाद का जिक्र तक नहीं किया। जबकि खुद इजरायल की जनता अपनी सरकार के ऐसे बर्बर रवैये के खिलाफ है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के भाषण पर उन्हें इतिहास की याद दिलाते हुए नेहरू के इजरायल के निर्माण पर आइंस्टीन को लिखे पत्र में व्यक्त विचारों का हवाला दिया। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया– अप्रैल 1955 में आइंस्टीन के निधन से कुछ समय पहले, आइंस्टीन और नेहरू ने परमाणु विस्फोटों और हथियारों के मुद्दे पर पत्रों का आदान–प्रदान किया था।श नेहरू ने 11 जुलाई 1947 को आइंस्टीन को जवाब में लिखारू श्मैं मानता हूं कि जबकि मेरी यहूदियों के लिए बहुत अधिक हमदर्दी है, मुझे अरबों की दुर्दशा के लिए भी उतनी ही हमदर्दी है। किसी भी घटना में, पूरा मुद्दा दोनों पक्षों की ओर से उच्च भावना और गहरे जुनून का हो गया है।श नेहरू ने यहूदियों के नजरिए पर सवाल उठाते हुए कहारू श्मैंने फिलिस्तीन की इस समस्या पर अच्छा ध्यान दिया है और दोनों पक्षों द्वारा जारी की गई किताबों और पैम्फलेट्स को पढ़ा हैय फिर भी मैं यह नहीं कह सकता कि मैं इसके बारे में सब जानता हूं, या मैं क्या किया जाना चाहिए पर अंतिम राय देने के लिए सक्षम हूं। मुझे पता है कि यहूदियों ने फिलिस्तीन में एक अद्भुत काम किया है और वहां के लोगों के स्तर को ऊं चा उठाया है, लेकिन एक सवाल मुझे परेशान करता है। इन सभी उल्लेखनीय उपलब्धियों के बाद, वे अरबों की सद्भावना हासिल करने में क्यों विफल रहे?श्नेहरू ने लिखा–श्वे अरबों को अपनी इच्छा के विरुद्ध कुछ मांगों को मानने के लिए क्यों मजबूर करना चाहते हैं? नजरिए का तरीका ऐसा रहा है जो समझौते की ओर नहीं ले जाता, बल्कि संघर्ष की निरंतरता की ओर ले जाता है। मुझे कोई संदेह नहीं कि गलती एक पक्ष तक सीमित नहीं है बल्कि सभी ने गलती की है। मुख्य समस्या फिलिस्तीन में ब्रिटिश शासन की निरंतरता रही है।तो यहां जयराम रमेश ने इजरायल और फिलीस्तीन दोनों पर नेहरू जी के विचार बता दिए।

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ–साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है। संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है। ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा। भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी

हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित–अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतरू देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक–साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है। भारत मंडपम् में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है ।

भयाकुल जीवन झूठ की कोयला खदानों में सांस ले रहा

हरिशंकर व्यास

देश इन दिनों सत्य–शोध की कोयला खदान है, जिससे यदा–कदा निकले चमकीले कण दिमाग और बुद्धि को खदबदा देते हैं। हाल में रक्षा बजट में एक लाख करोड़ रु. से अधिक बढ़ोतरी की खबर थी। भारत 2026–27 में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदेगा। ऐसे ही यूरोपीय संघ के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से व्यापार समझौते की सुर्खघि है। मतलब जहाँ सैन्य क्षमताओं में बढ़ोतरी का कदम, वहीं भारत की आर्थिकी का खुलना। कभी मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे अरविंद सुब्रमण्यम ने लिखा है कि अब भारत विश्व की सर्वाधिक खुली आर्थिकी होने के कघगार पर है! बहुत अच्छा। पर ये फैसले भारत की मजबूरी से हैं या ठोस संकल्प से हैं?

आखघिर चीन से हारने के बाद सैन्य ताकघ्त का विस्तार तो नेहरू के समय में ही शुरू हो गया था। फिर लालबहादुर शास्त्री ने मुंबई में ट्रॉम्बे में एटमी भट्टी का शिलान्यास किया। इंदिरा गांधी ने परमाणु परीक्षण कराया। नरसिंह राव ने परमाणु बम–मिसाइलें बनवाईं, तो वाजपेयी ने बिना आगे–पीछे सोचे पोखरण में पाँच परीक्षण कर दुनिया को बतायाकृआज बुद्ध पूर्णिमा है! ऐसे ही नरसिंह राव ने आर्थिकी खोली। मनमोहन सिंह ने उससे भूमंडलीकरण साधा, तो ट्रंप के झटकों के बाद भारत अब उनकी शर्तों पर व्यापार समझौता किए हुए है। सर्वाधिक खुली आर्थिकी के जुमले बन रहे हैं, तो स्वाभाविक सवाल हैकृखुलने से हम बाजार बनेंगे या समर्थ, आत्मनिर्भर होंगे या आश्रित ? यह मानना तो मूर्खता ही होगी जो सोचे कि चीन डरकर लद्दाख, अरुणाचल से निगाह हटा लेगा या पाकिस्तान की कश्मीर से नजर हट जाएगी। हकघीकघ्त है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक सैन्य जगत में भारत की जो किरकिरी हुई, उसने मोदी सरकार को सैन्य खर्च बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। ऐसे ही अमेरिका और यूरोप के साथ व्यापार करार भी भयाकुल मनोदशा में हैं। यही कलियुगी हिंदुओं का वह इतिहासजनित डीएनए है, चरित्र है, जिसमें मुझे कोयला खदान का बिंब झलकता है! कोई तीन दशक पहले मैंने झारखंड घूमते हुए कोयला खान के मुहाने के घने काले परिवेश में काली धूल में लथपथ जीवन महसूस किया था। मिट्टी, मजदूरी, झोपड़ियाँ, मजदूर (आदिवासी बहुल), इन्फ्घ्रास्ट्रक्चरकृसब काली धूल में लथपथ। मानो शनि का घर। फिर घूमते–घूमते कोल इंडिया, स्टील इंडिया के सरकारी प्रतिष्ठान, बोकारो का स्टील प्लांट देखा–समझा, तो दिमाग बुरी तरह खदबदाया। मेरी इस सोच को बल मिला कि नेहरू के समाजवाद, लाइसेंस–कोटा–परमिट और अंग्रेज विरासत ने सब गुड़गोबर किया है। अर्थात मुस्लिम–मुगल लुटेरों–शासकों से जहां हिंदुस्तान खेतीहर पैदावार, हस्तशिल्प की उत्पादकता–व्यापार में लुटा तो अंग्रेज हुक्मरानों ने लगान–लूट के अलावा खदानों–कच्चेमाल (माइनिंग), व्यापार (मर्केंटाइल)कृयानी कोयले की दलालीकृके काले हाथों में हिंदुस्तानियों को रंगा। लुटेरे जगतसेठ पैदा किए। वही दिशा स्वतंत्रता के बाद, प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू से बनी। उन्होंने पुराने अंग्रेज मॉडल की विरासत की नींव पर श्आइडिया ऑफ इंडियाश्च गढ़ा। ऐसा समाजवाद अपनाया, जो सत्ता द्वारा, सत्ता के खातिर, सत्ता की लूट का तंत्र विकसित करने वाला था। नतीजतन भारत के लोग पावरफुल श्नागरिकश्च बनने की बजाय और अधिक हुकूम के बंधुआ, कघनूनों में बंधे, माई–बाप सरकार पर आश्रित हुए। नौकरशाही ने समाजवाद के नाम पर आर्थिकी को माइनिंग–मर्केंटाइल के ढाँचे वाली कोयला खान को पुनर्गठित किया! समय कुछ बदला। सो बुद्धिमान पी. वी. नरसिंह राव की मौन बहादुरी से भारत ने ताजा हवा पाई। डॉ. मनमोहन सिंह की दृष्टि, विद्वत्ता से वैश्विक राजधानियों में भारत का मान बना। पर हम हिंदुओं का इतिहास तो भयाकुल कघैम का है। समर्पणकृभूखकृभयकृभक्ति का है। वह कैसे मिटता? मेरा लिखना इमरजेंसी के समय 1976 से शुरू हुआ है। तब वैश्विक विषयों (सोवियत संघ, शीतयुद्ध, अफगानिस्तान आदि) पर लिखता था, तो साम्यवाद, समाजवाद, गरीबी हटाओ, 20 सूत्री कार्यक्रमों से भारत समझ आता था। पूरा ठीकरा नेहरू के आइडिया, समाजवाद, गिरगिटी नौकरशाही की कोयला खदान पर केंद्रीत हुआ। तब भी जाहिर था कि हिंदुओं का वह भक्ति काल है, जो हजार साल की गुलामी से पैदा कायरता का बाय–प्रोडक्ट है।

इसलिए मेरे लिए 1977 में कांग्रेस की हार और इंदिरा गांधी की जगह निर्भीकता का मंत्र देने वाले मोरारजी देसाई का शपथ लेना मानो क्रांति के क्षण थे। पर उन्होने भी नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया के ढाँचे को नहीं समेटा। उलटे सदियों से सत्ता के लिए फड़फड़ाती कघैम के नए प्रतिनिधि भुख्खड़ों में घमासान बना। पहले समाजवादी, फिर कम्युनिस्ट नेताओं की वह तोड़फोड़, वह आचरण प्रकट हुआ, जिसमें आयाराम–गयाराम भी हुआय तो बाँटो और राज करो की मंडल राजनीति, फिर संघ–आडवाणी की कमंडल राजनीति भी खिली। चुपचाप भगवा रंग चढ़ने लगा।

बीच में जरूर नरसिंह राव ने अफसरों (शासन) की दखल घटाई, भारत खुलाय पर सत्ता की भूख, हड़बड़ी (जैसे 1947 से पहले नेहरू–गांधी की थी) भी खुली। मंडल–कमंडल के वे नेता जमीनी हल्ला बनाते हुए थे, जिससे देश ने चीन के साथ–साथ उठने के अवसर गँवाए। कम्युनिस्ट सुरजीत–प्रकाश करात, लालू, रामविलास आदि प्रगतिशीलता, सामाजिक न्याय के हवाले अपने ही

समर्थ से बनाई मनमोहन सिंह सरकार की नाक में भी दम किया।

कुल मिलाकर आर्थिकी खुली, तब भी देश चीन की तरह फायदा नहीं उठा पाया। हाँ, नारायणमूर्ति जैसे कुछ नए उद्यमियों की बदौलत भारत जरूर आईटी क्षेत्र में दुनिया का बैकऑफिस, आईटी–कुलियों का सप्लायर देश बना। मेरा मानना है कि गुलामी के इतिहासजन्य डीएनए से हम हिंदू बुद्धि–बल से ज्ञान–विज्ञान–शोधा–तकनीक–लेखन में कुछ भी मौलिक रचने में समर्थ नहीं हैं। हमें केवल जुगाड़ आता है। समय रीपिट होता रहता है। अंग्रेजों के समय गन्ना पैदा करने वाले किसान विदेश (फिजी, मॉरिशस, सूरीनाम आदि) गए। वैसे ही नए मिलेनियम में भारत का योगदान खाड़ी देशों में मजदूर सप्लाई तथा आईटी–कर्मियों की दुनिया की सेवा था। उसी से अमेरिका, पश्चिमी देशों में भारतीयों का जाना हुआ। सोचे, प्रवासियों ने जो कमाया, वह किसमें जाया हुआ? केरल के मलयाली परिवार की प्रवासी कमाई हो या पूर्वी यूपी के खाड़ी देशों में गए मजदूरों की कमाई, या बेंगलुरु के आईटी हब में उत्तर भारत की काम कर रही श्रमशक्ति, या बिहार से देश भर में फैले मजदूरों की कमाईकृइससे देश की शक्ल दो तरह से बदली है।

सत्र समाप्त होने के साथ ही चर्चाएं भी समाप्त

अजीत द्विवेदी

संसद के बजट सत्र में ब्रेक चल रहा है। सत्र का दूसरा हिस्सा नौ मार्च से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला हिस्सा बहुत हंगामे वाला रहा। वैसे तो हर सत्र ही हंगामे वाला होता है लेकिन इस बार कुछ अनोखी चीजें हुईं। जैसे स्पीकर ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई एक अधूरी चर्चा का जवाब देने लोकसभा में नहीं आएं क्योंकि कुछ श्अप्रत्याशितश्च घट सकता है। प्रधानमंत्री मान भी गए। पहली बार ऐसा हुआ। ऐसे ही पहली बार हुआ कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और बदले में विपक्ष ने प्रधानमंत्री को नहीं बोलने दिया। पहली बार विपक्ष की महिला सांसदों से प्रधानमंत्री को खतरा होने की बात हुई। पहली बार नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ सब्सटेंसिव मोशन पेश किया गया। पूर्व प्रधानमंत्रियों की नीतियों की आलोचना तो पहले भी होती थी लेकिन इस बार की नई गिरावट यह थी कि पूर्व प्रधानमंत्रियों की जीवनी या उनके ऊपर लिखी गई किताबों में से यहां वहां के उद्धरण छांट कर उनको श्गद्दारश्च, श्अय्याशश्च आदि सदन के अंदर कहा गया। पहली बार ऐसा हुआ कि संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्षी सांसदों पर आरोप लगाया कि उन्होंने स्पीकर के चौम्बर में जाकर गाली गलौज की। करीब चार दशक बाद पहली बार स्पीकर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया। यह सब कुछ दो से 13 फरवरी के बीच हुआ। यह 12 दिन का समय राहुल गांधी की राजनीति के लिए बहुत अच्छा रहा। वे इस 12 दिन की राजनीति के केंद्र में रहे। दो फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर उनके भाषण देने से विवाद शुरू हुआ और उनके खिलाफ मोशन लाए जाने के बाद सदन की कार्यवाही आठ मार्च तक स्थगित हुई। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि हुई और सत्र के बीच अमेरिका के साथ संधि की घोषणा हुई। इसी बीच एपस्टीन फाइल्स के पन्ने खुले, जिसमें एक केंद्रीय मंत्री और एक कारोबारी के एपस्टीन से संपर्कों की कहानियां आईं। इन तमाम घटनाओं ने राहुल गांधी को मौका दिया कि वे केंद्र सरकार पर हमलावर रहें। कुछ अंतरराष्ट्रीय हालात और कुछ राहुल गांधी के तेवर से सरकार बैकफुट पर रही। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्री तक बचाव की मुद्रा में दिखे। राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव लाना भी घबराहट का ही संकेत है। सोशल मीडिया में नैरेटिव है कि राहुल ने कमाल कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम से राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ा, जिसमें उन्होंने दो बड़ी गलतियां कीं। आत्मविश्वास और अति उत्साह में उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर अपने एक साथी सांसद और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को श्गद्दार दोस्तश्च कहा। यह राहुल गांधी की अपनी छवि के बिल्कुल उलट बात थी। दूसरी गलती उन्होंने यह कर दी कि दो केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रहलाद जोशी की मीडिया से बातचीत के बीच में घुस गए और बोलने लगे। उन्होंने प्रहलाद जोशी का हाथ पकड़ कर उनको रोकने का प्रयास भी किया। इन दोनों घटनाओं को कांग्रेस इकोसिस्टम के लोगों ने खूब प्रचारित किया। उन्होंने इसे ऐसे प्रस्तुत किया, जैसे राहुल के डर से दो मंत्री भाग गए और राहुल ने ठीक किया, जो कांग्रेस छोड़ने वाले बिट्टू को गद्दार कहा। लेकिन ये दोनों घटनाएं सामान्य संसदीय आचरण के अनुरूप नहीं हैं। बहरहाल, संसद के बजट सत्र में राहुल गांधी चर्चा के केंद्र में रहे। वे एजेंडा सेट करते रहे, जिस पर सरकार जवाब देती रही और बैकफुट पर रही। लेकिन यह पहला सत्र नहीं है, जिसमें राहुल ने महफिल लूटने वाला काम किया है। इससे पहले भी डोकलाम का घटनाक्रम हो या हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट हो, हर बार सत्र में राहुल गांधी हीरो होते हैं। वे अच्छे और लंबे भाषण करते हैं और संसद के पूरे सत्र का एजेंडा सेट कर देते हैं। लेकिन क्या संसद सत्र के दौरान उनके द्वारा की जाने वाली राजनीति चुनाव के मैदान में कांग्रेस को लाभ पहुंचाती है? क्या संसद में वे जो राजनीति करते हैं उससे कांग्रेस संगठन को ताकत मिलती है? यह सही है कि इससे राहुल गांधी की साहसी और निर्भीक नेता की छवि को मजबूती मिलती है और कांग्रेस की चर्चा होती है। लेकिन सत्र समाप्त होने के साथ ही ये चर्चाएं भी समाप्त हो जाती हैं। राहुल गांधी को यह ध्यान रखने की जरुरत है कि राजनीति बिट्स एंड पैचेज में होने वाली चीज नहीं है। संसद सत्र में उनके उठाए मुद्दों से जो माहौल बनता है उसे जनता के बीच ले जाना होता है। इसके लिए पार्टी संगठन को मजबूत करने की जरुरत होती है ताकि मुद्दों पर जमीनी स्तर पर राजनीति हो सके। अफसोस की बात है कि राहुल गांधी यह काम नहीं कर पाते हैं। उन्होंने सत्र के बीच एक दिन किसान बन कर मनरेगा बचाओ आंदोलन में हिस्सा लिया लेकिन 45 दिन का कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान कब शुरू हुआ और कब समाप्त हो गया, यह न तो जमीनी स्तर पर दिखा और न दिल्ली में दिखा। संसद का मौजूदा बजट सत्र चल रहा होगा उसी बीच पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की घोषणा होगी। अप्रैल में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव होना है। इन पांच राज्यों में पिछले छह महीने में राहुल गांधी सिर्फ एक बार तमिलनाडु और संभवतरू एक या दो बार केरल गए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा भी सिर्फ केरल गई हैं क्योंकि वे वहां की वायनाड सीट से सांसद हैं। इसके उलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के पहले डेढ़ महीने में दो–दो बार पश्चिम बंगाल और असम जा चुके हैं और एक–एक बार तमिलनाडु और केरल का दौरा कर चुके हैं। अमित शाह इन पांचों राज्यों का कम से कम एक–एक दौरा कर चुके हैं। बजट सत्र में ब्रेक होने के साथ ही प्रधानमंत्री असम के दौरे पर गए और अमित शाह पुडुचेरी पहुंचे। इसी हफ्ते अमित शाह असम जाने वाले हैं। एक महीने में यह उनका दूसरा दौरा होगा। लेकिन राहुल और प्रियंका के मोर्चे पर अचानक शांति छा गई। राहुल ने सोशल मीडिया में जरूर अमेरिका और भारत की व्यापार संधि को लेकर पोस्ट किए। लेकिन कांग्रेस की ओर से व्यापार संधि, किसानों के मुद्दे, मनरेगा बचाने आदि के मोर्चे पर कोई राजनीतिक अभियान नहीं चलाया जा रहा है। क्या इस समय राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा व्यापार संधि से किसानों को होने वाले नुकसान की जो बात सोशल मीडिया में लिख रहे हैं या मीडिया के सामने बोल रहे थे उन बातों को लेकर जनता के बीच नहीं जाना चाहिए? क्या इस समय इन दोनों को चुनावी राज्यों के तूफानी दौरे पर होना चाहिए? ध्यान रहे दोनों के पास कोई और काम नहीं है। दोनों फुल टाइम नेता हैं। ये दोनों ही चेहरे हैं, जिनको मोदी और शाह के खिलाफ लड़ना है। मोदी और शाह को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के तौर पर भी काम करना है लेकिन दोनों राजनीतिक काम के लिए जितनी मेहनत कर रहे हैं राहुल और प्रियंका उसका 10 प्रतिशत भी नहीं कर रहे हैं। सवाल है कि दोनों अपने को किस समय के लिए बचा रहे हैं? संसद की राजनीति से राहुल को जो बढ़त मिलती है।

होली पर खुद बसों पर यात्रियों को बिठाते दिखाई दिए एआरएम रोडवेज

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। होली त्योहार पर भारी संख्या में लोग अपने–अपने घरों की ओर जा रहे हैं। जिसके चलते बसो, ट्रनों में यात्रियों की अधिक भीड़ होने की संभावना दिखाई दे रही है। इस दौरान खास कर बस यात्रियों को यात्रा के समय किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए खुद सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या डिपो आदित्य प्रकाश अपनी टीम के साथ शनिवार को खुद बस यात्रियों को बेस पर बिठाते हुए दिखाई दिए। उनका कहना था कि शासन के मंसानुरुप होली त्यौहार पर अपने–अपने घरों को जाने वाले बस यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी ना उत्पन्न हो इसी के तहत यह कदम उठाए जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समय भीड़ होने की काफी आशंका है क्योंकि अभी होली तो एक–दो दिन है लेकिन आज के बाद होली पर अवकाश रहेगा जिसको लेकर भारी संख्या में लोग अपने–अपने घरों के लिए रवाना हो सकते हैं जिस पर रोडवेज बसों पर भी दबाव पर सकता है और भीड़ बढ़ सकती है। इसी को देखते हुए वह खुद और उनकी टीम बस यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान को जाने वाले बसों पर बिता रहे हैं। इस दौरान उनके तथा उनकी टीम द्वारा की जा रही इस कार्य के चलते बस यात्रियों ने उन्हें होली की बधाई भी दिया और उनके कार्य की प्रशंसा भी किया। बताते चले अयोध्या परिक्षेत्र से होली त्यौहार को लेकर आज से 9 मार्च तक दिल्ली, लखनऊ कानपुर वाराणसी प्रयागराज सहित अन्य प्रमुख मार्गो पर आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त रोडवेज बसों का संचालन करने जा रही है।इस मौके पर सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताया कि अयोध्या परिक्षेत्र से दिल्ली के लिए कुल 24 रोडवेज बसें तथा कानपुर के लिए 40 रोडवेज बसों की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है वहीं जरूरत पड़ने पर और भी बसों में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या डिपो से 24 सुल्तानपुर डिपो से 12 अकबरपुर डिपो से 6 तथा अमेठी डिपो से 6 अतिरिक्त रोडवेज बसों का संचालन किया जाएगा उन्होंने बताया कि इसी अयोध्या क्षेत्र से कानपुर के लिए अयोध्या डिपो से 40 सुल्तानपुर डिपो से 32 अकबरपुर डिपो से 24 तथा अमेठी डिपो से 16 रोडवेज बसों का संचालन होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान किसी भी रोडवेज कर्मचारी अधिकारी चालक पर चालक व अन्य कर्मचारियों को अर्थव्यवस्था विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर कोई भी अवकाश साप्ताहिक विश्राम नहीं दिया जाएगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एडीएम सिटी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडे की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।जिसमे ए पी सिंह, पुलिस अधीक्षक, ट्रैफिक, अयोध्या, सत्यप्रकाश भारतीय अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड, अयोध्या, गुलाब चंद्र, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, शशिभूषण सिंह, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड – 4, अयोध्या, राहुल राय , सहायक अभियंता, प्रांतीय खंड, अयोध्या, तारकेश्वर पांडेय , बी ई ओ, बेसिक शिक्षा, अयोध्या, आलेख सिंह , सहायक अभियंता, छभ्।ए अयोध्या, गिरीश चंद्र तिवारी, सहायक अभियंता, अयोध्या विकास प्राधिकरण एवं अन्य संबंधित अधिकारी सम्मिलित हुए।बैठक में जनपद में हो रही दुर्घटनाओं को कम किये जाने, ब्लैक स्पॉट को कम से कम किए जाने, जनमानस द्वारा

ट्रैफिक नियमों का पालन किए जाने एवं घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में ससमय उपचार दिए जाने इत्यादि विषयों पर अपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा समीक्षा की गई। और सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद के सभी मार्गों पर सड़क सुरक्षा हेतु निर्धारित मानकों का पालन कराया जाए एवं अधिक दुर्घटना वाले स्थान को चिन्हित कर स्थायी निराकरण किया जाए। इसी तरह से आगे भी यातायात नियमों के पालन हेतु व्यापक प्रचार प्रसार के साथ सघन चेकिंग के निर्देश दिए गए

पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने मोइद खान से मिलकर हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने मोईद खान के जेल से छूटने के बाद भदरसा उनके आवास पर मुलाकात किया।इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फोन पर वार्ता कर उनका हालचाल लिया और हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। शनिवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने मोईद खान के जेल से छूटने के बाद भदरसा उनके आवास पर जाकर मुलाकात करके उनका हाल–चाल लिया एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी से फोन पर वार्ता करायी, प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फोन वार्ता कर उनका हालचाल लिया,राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हम पहले भी आपके साथ थे आगे भी साथ रहेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने मोईद खान व उनके परिवार का हर संभव मदद का भरोसा दिलाया , पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने कहा भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के इशारे पर बुजुर्ग मोईद खान को फर्जी मुकदमे में फंसा कर अपमानित करना उनके बेकरी एवं प्रतिष्ठान पर बुलडोजर चलाकर परिवार की आर्थिक क्षति करने का काम भारतीय जनता

पार्टी के द्वारा किया गया था लेकिन आज न्यायालय ने मोईद खान जी को बइज्जत बरी कर दिया और वह अपने घर पहुंच गए ,पूर्व मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और मीडिया के लोगों ने जिस तरह से चौनल में मोईद खान साहब को अपराधी घोषित कर दिया था मेरा उनसे सवाल है कि क्या आर्थिक सामाजिक क्षति की भरपाई करते हुए वो आज उनसे माफी मांगेंगे, जब से भाजपा की सरकार आई है पूरे प्रदेश में यह लोग इसी तरह से फर्जी मुकदमे लगाकर लोगों का उत्पीड़न कर रहे हैं उत्तर प्रदेश की देवतुल्य जनता इस बात को जान चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब 2027 में प्रदेश में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बना कर देगी।

संक्षिप्त खबरें

पुराने आवास को गिराए जाने के विरोध में वार्ड वासियों ने सौंपा ज्ञापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जनपद अयोध्या के वार्ड रामचंद्र दास परमहंस वर्ल्ड, माझा बरहटा बड़ीमुजहानियां में निवासी श्री देशराज यादव पुत्र महादेव यादव के कई वर्षों पुराने आवास को उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद (खंडदृ 1) द्वारा गिराए जाने की कार्यवाही के विरोध में आज वार्ड के समस्त नागरिकों ने एकत्र होकर विरोध दर्ज कराया।वार्ड वासियों का कहना है

कि उक्त आवास लंबे समय से आबाद है और परिवार वहीं निवासरत है। परिषद की घोषित योजना एवं सार्वजनिक आश्वासन के अनुसार योजना लागू होने से पूर्व निर्मित पुराने मकानों एवं धार्मिक स्थलोंकृविशेष रूप से भगवान तथागत गौतम बुद्ध से संबंधित विहारध्स्थलोंकृको बिना वैकल्पिक व्यवस्था के न हटाने की बात कही गई थी। इसके बावजूद बिना किसी समुचित पुनर्वास अथवा विस्थापन योजना के मकान गिराने की कार्रवाई की जा रही है, जिसे वार्डवासियों ने अन्यायपूर्ण एवं अमानवीय बताया।वार्डवासियों ने बताया कि अब तक प्रभावित परिवार को न तो कोई लिखित पुनर्वास प्रस्ताव दिया गया है और न ही वैकल्पिक आवास या मुआवजे की स्पष्ट योजना प्रस्तुत की गई है। इससे परिवार के सामने बेघर होने की स्थिति उत्पन्न हो गई है।पार्षद कृष्णागोपाल यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आवास विकास परिषद के अधिकारी अजीत मौर्य को ज्ञापन सौंपकर निम्न मांगें रखी।देशराज यादव के आवास को गिराने की कार्यवाही तत्काल प्रभाव से रोकी जाए।विधिवत विस्थापनध्पुनर्वास योजना तैयार कर प्रभावित परिवार को वैकल्पिक आवास या समुचित मुआवजा प्रदान किया जाए।योजना के प्रारंभ से पूर्व निर्मित सभी पुराने मकानों एवं धार्मिक स्थलों को सुरक्षित रखा जाए।प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर नियमों की अनदेखी पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की जाए।ज्ञापन सौंपने के दौरान अरविंद यादव, वीरेंद्र यादव, रामजतन यादव, भोला यादव, संजय, बृजेश चौधरी, राम शंकर, अनिल यादव, हीरालाल, रामनाथ, देशराज यादव, मनीराम, राकेश, सत्रोहन, बजरंगी राम, धीरज, अमरजीत, भोंदू श्री कृष्ण सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

जेपीएनआईसी में मुफ्त पार्किंग शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। आठ वर्ष से बंद जय प्रकाश नरायण अंतरराष्ट्रीय सेंटर (जेपीएनआईसी) की पार्किंग शुरू हो गई है। इसका शुल्क नहीं लिया जा रहा है। पार्किंग शुरू होने से सड़क पर खड़ी रहने वाली गाड़ियों को जगह मिल गई है। एलडीए के अधिशासी अभियंता मनोज सागर ने बताया कि बृहस्पतिवार को कई वाहन पार्किंग में खड़े हुए। इससे जाम की समस्या भी दूर हुई है। करीब सात महीने पहले सरकार ने जेपीएनआईसी का संचालन पूरी तरह से एलडीए को सौंप दिया। प्राधिकरण इसके संचालन को लेकर कवायद कर रहा है।

होली को लेकर युवाओं व महिलाओ में खासकर दिखाई दे रहा उल्लास

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।होलिका दहन व होली पर्व को लेकर शहर वासियो में काफी उल्लास दिखाई दे रहा है।इस मौके पर खासकर युवा वर्ग काफी उत्साहित दिखाई दे रहे है।शहर के रिकाबगंज, लालबाग,चौक, क्षत्रिय बोर्डिंग, वजीरगंज, देवकाली, हैदरगंज, रीडगंज, हसनूकटरा सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर होलिका दहन के लिए अभी से ही युवा वर्ग के लड़के लकड़िया जुटाने में जुट गए हैं।वही कई जगहों पर खासकर आरा मशीनों व अन्य लकड़ी उत्पादित क्षेत्र पर यह युवक होलिका दहन की तैयारी के लिए लकड़िया जुटाने में या खरीद परोख्त करने में जुटे हुए हैं।होली को लेकर महिलाये व बच्चियां अपने–अपने घरों में आलू से निर्मित

पापड़,चिप्स, गुझिया, सहित अन्य खाद्य पदार्थों को बनाने में जुटी हुई है।वही कुछ महिलाएं अपने परिजनों के साथ शहर के चौक सहित विभिन्न चौराहों पर स्थित दुकानों से रेडीमेड चिप्स पापड़ आदि खाद्य पदार्थ के अलावा गुजिया आज भी खरीदने हुई देखी जा सकती हैं।रंगो का पर्व होली पर शहर के चौक, रिकाबगंज, देवकाली,नियावा सहित अन्य प्रमुख बाजारों में बड़े से लेकर छोटे–छोटे दुकानों पर अभी से रंग गुलाल सज गए हैं वहीं एक से बढ़कर एक महंगी पिचकरिया भी बाजारों में उपलब्ध हो गई है जिसे भारी संख्या में खरीदने के लिए बच्चों की भीड़ भी दिखाई देती नजर आती है।इन दुकानों पर कई तरह के रंग–बिरंगे शर्ट मुखोटे टंगे हुए हैं जो की बार–बार सही खासकर युवाओं और बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने सीओ बीकापुर के साथ थाना तारून क्षेत्र का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी द्वारा थाना तारून का अर्धवार्षिक निरीक्षणध्मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें कुछ कमियों को छोड़कर बाकी सब ओके मिला।इस मौके पर उन्होंने सीओ बीकापुर पियूष के साथ तारुन थाने के अभिलेखों, कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, भोजनालय, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क, कारागार, शस्त्रागार आदि का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख–रखाव,आईजीआरएस प्रार्थना पत्र का त्वरितध् गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण व साफ–सफाई के संबन्धा में संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण से पूर्व एसपी

ग्रामीण को थाने पर सलामी दी गई, तत्पश्चात थाना परिसर का भ्रमण करके कर्मचारियों की बैठक भोजनालय, कार्यालय महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस का निरीक्षण किया तथा साफ सफाई हेतु व थाना परिसर में खड़े वाहनों के निस्तारण तथा थाना मलखाना में मुकदमों से संबंधित मामलों के निस्तारण के संबंध में थाना प्रभारी को निर्देशित किया।वही सीओ बीकापुर पियूष व थानाध्यक्ष देवेन्द्र को आगामी होली त्यौहार व रमजान माह व ईद के दृष्टिगत रखते हुए अवैधा मदिरा के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही करने व थाना क्षेत्र में भूमि विवाद के प्रकरणों को चिन्हित कर राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए निस्तारण कराने हेतु थाना प्रभारी को निर्देशित किया।वही महिला हेल्पडेस्क साइबर हेल्प डेस्क से संबंधित भी निर्देश दिया गया।निरीक्षण के समय पीयूष क्षेत्राधिकारी बीकापुर भी मौजूद रहे।ऑर्डर बुक प्रार्थना पत्र के अवलोकन के पश्चात अधिक संख्या में लंबित प्रार्थना पत्रों के एक सप्ताह में अभियान चलाकर निस्तारित करने के लिए निर्देश दिए।

पुल निर्माण के दौरान मंदिर का रास्ता बंद, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज–पुरवा मार्ग पर जबरेला के पास सई नदी के पुल निर्माण के दौरान मंदिर का रास्ता बंद होने पर बृहस्पतिवार को ग्रामीण नाराज हो गए। उन्होंने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व जबरेला के पूर्व प्रधान हृदयेश तिवारी, अधिवक्ता वेद प्रकाश मिश्रा व बच्चा बाजपेई ने किया। इस दौरान करीब दो घंटे तक जाम लगा रहा। सूचना पर पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने पुल निर्माण रुकवा दिया।

वेब सीरीज देखकर सीखा था शव काटने का तरीका, बाप के टुकड़े-टुकड़े करने में नहीं कांपे हाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना के सेक्टर एल में रहने वाले पैथालॉजी संचालक व शराब कारोबारी मानवेंद्र सिंह (49) की हत्या के बाद उनका बेटा अक्षत शव को ठिकाने लगाने के लिए परेशान था। आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शव का वजन ज्यादा होने के कारण वह अकेले उसे कार में लादकर नहीं ले जा सकता था। आरोपी ने वेब सीरिज वध देखा था, जिससे उसने शव को काटने का तरीका सीखा था। छानबीन में सामने आया कि वेब सीरिज में आरी से शव को काटकर ठिकाने लगाया गया था। अक्षत को यह तरीका बेहतर लगा। आरोपी ने पहले ऑनलाइन चाकू मंगाया था। चाकू से शव को काटने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। इसके बाद वह घर से निकला और दो आरी खरीदकर लाया। आरी से ही उसने शव के टुकड़े कर दिए थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी ने यूट्यूब पर भी शव को ठिकाने कैसे लगाएं... इसके वीडियो देखे थे। यही नहीं, शव को काटने का वीडियो भी उसने देखा था। आरोपी ने हत्या के बाद छोटी बहन कृति से कहा था कि तुम परेशान न हो। मैं सब संभाल लूंगा। बताया जा रहा है कि आरोपी के मन में पिता के प्रति काफी नफरत भरी थी। यही वजह है कि शव के टुकड़े करने में उसके हाथ नहीं कांपे। मानवेंद्र के पिता ने इस पूरे घटनाक्रम में कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। अक्षत की मां की आत्महत्या के सवाल पर परिजनों ने कहा कि उनकी बीमारी से मौत हुई थी। कॉलोनी में बृहस्पतिवार को भी सन्नाटा पसरा रहा। लोग तरह तरह की चर्चा करते रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि परिवार के लोग कुछ छिपा रहे हैं। यही वजह है कि कई सारे सवालों के जवाब नहीं मिल सके हैं। पुलिस परिवार के लोगों को कॉल डिटेल खंगाल रही है। मानवेंद्र और अक्षत की सीडीआर से कई राज सामने आएंगे। मानवेंद किन लोगों से बात करते थे, इसके बारे में भी पुलिस पता लगाएगी। हत्या के बाद अक्षत ने किन लोगों से संपर्क किया था इसकी जानकारी भी की जा रही है। यही नहीं, वारदात के समय मकान में मौजूद लोगों के भी बयान दर्ज किए जाएंगे। यह पता लगाया जाएगा कि हत्या में किसी और की संलिप्तता तो नहीं है।

मानव सम्पदा पोर्टल पर चल–अचल संपत्ति विवरण न देने वाले 47,816 कर्मियों पर सख्ती, पदोन्नति और एसीपी पर रोक के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन ने मानव सम्पदा पोर्टल पर नियमानुसार चल–अचल संपत्ति का विवरण दर्ज न करने वाले राज्य कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल द्वारा जारी शासनादेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित अवधि तक संपत्ति विवरण अपलोड न करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें पदोन्नति, एसीपी और सतर्कता अनापत्ति प्रमाणपत्र जैसी सुविधाओं से वंचित रखा जाए। कार्मिक अनुभाग–5 से जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में जारी शासनादेशों के माध्यम से सभी राज्य कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के नियम–24 के अंतर्गत अपनी चल–अचल संपत्ति का विवरण अनिवार्य रूप से 31 जनवरी 2026 तक मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि जो कर्मचारी निर्धारित तिथि तक विवरण अपलोड नहीं करेंगे, उनका जनवरी 2026 का वेतन फरवरी 2026 में निर्गत नहीं किया जाएगा और संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके बावजूद राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 31 जनवरी 2026 तक 47,816 कर्मचारियों द्वारा पोर्टल पर संपत्ति विवरण दर्ज नहीं किया गया। शासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे कर्मचारियों को अंतिम अवसर प्रदान किया है। 26 फरवरी 2026 से 10 मार्च 2026 तक की अवधि में वे अपने चल–अचल संपत्ति का विवरण मानव सम्पदा पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं, किंतु यह अवसर कड़े प्रतिबंधों के अधीन होगा।शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा तक विवरण न देने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्यवाही की जाएगी। ऐसे कर्मचारियों के वर्तमान चयन वर्ष में पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा तथा यदि वे इस वर्ष एसीपी के पात्र हों तो उन्हें एसीपी का लाभ भी नहीं दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति अथवा अन्य संवेदनशील दायित्वों के लिए सतर्कता अनापत्ति प्रमाणपत्र भी जारी नहीं किया जाएगा।यह भी निर्देशित किया गया है कि यदि किसी कर्मचारी द्वारा विवरण अपलोड न करने के बावजूद जनवरी 2026 का वेतन आहरित किया गया है तो संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी के विरुद्ध भी विभागीय कार्यवाही की जाएगी। विभागाध्यक्षों तथा संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव को इन निर्देशों के अनुपालन की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो कर्मचारी 10 मार्च 2026 तक अपना संपत्ति विवरण पोर्टल पर दर्ज कर देंगे, उनका जनवरी और फरवरी 2026 का वेतन नियमानुसार निर्गत किया जाएगा। आदेश में सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों तथा विभागाध्यक्षों को निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है।शासनादेश इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी किया गया है ।

सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन और हुड़दंग के खिलाफ लखनऊ पुलिस का विशेष अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक विशेष अभियान चलाया। यह अभियान 25 फरवरी 2026 की रात 9 बजे से 11 बजे तक जनपद के सभी जोनों में एक साथ संचालित किया गया। अभियान के दौरान कुल 329 स्थानों पर सघन चेकिंग की गई और 2211 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें से 326 व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थल पर शराब पीते पाए जाने पर विधिक कार्रवाई करते हुए चालान किया गया।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशों तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार के पर्यवेक्षण में की गई। जनपद के सभी जोनों के पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में सहायक पुलिस आयुक्तों और थाना प्रभारियों की टीमों ने अपने–अपने क्षेत्रों में सड़कों, पार्कों, बाजारों, बस अड्डों, चौराहों और अन्य भीड़–भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाया।पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन कर हुड़दंग करते हैं, जिससे राहगीरों, महिलाओं और आम नागरिकों को असुविधा होती है तथा यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सघन अभियान चलाने का निर्णय लिया।अभियान के दौरान मध्य जोन में 79 स्थानों पर 453 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें 28 के खिलाफ कार्रवाई हुई। पूर्वी जोन में 58 स्थानों पर 378 व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान 33 लोगों का चालान किया गया। दक्षिणी जोन में 46 स्थानों पर 259 व्यक्तियों की जांच में 25 के खिलाफ कार्रवाई की गई। पश्चिमी जोन में सर्वाधिक 116 स्थानों पर 846 व्यक्तियों की जांच की गई, जहां 204 लोगों पर कार्रवाई हुई। उत्तरी जोन में 30 स्थानों पर 275 व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान 36 लोगों का चालान किया गया।पुलिस ने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की कड़ी चेतावनी भी दी गई है। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने कहा कि आमजन की शिकायतों के दृष्टिगत यह विशेष अभियान चलाया गया है ।

जनसुनवाई में मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने आज अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित, पारदर्शी तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान विद्युत कनेक्शन से जुड़े प्रकरण, विद्युत बिलों में त्रुटि सुधार, सीवर लाइन की समस्याएं, नए निर्माण कार्यों की स्वीकृति, क्षतिपूर्ति भुगतान सहित विभिन्न स्थानीय जनसमस्याएं प्रमुख रूप से उठाई गईं। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए और उसकी गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिक प्रक्रिया न बनकर परिणाम देने वाली व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे लोगों को वास्तविक राहत मिल सके।मंत्री श्री शर्मा ने यह भी कहा कि विद्युत और नगर विकास से संबंधित मामलों में तकनीकी कारणों का हवाला देकर अनावश्यक विलंब न किया जाए। अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान करें तथा आवश्यकता पड़ने पर स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करें।उन्होंने दोहराया कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों और शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता बनी रहे। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

रंगभरी एकादशी भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है : विवेकानंद महाराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।यूपी के जौनपुर में शुक्रवार को रंगभरी एकादशी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न मंदिरों में फूलों की होली खेली गई और भक्तों ने अबीर–गुलाल उड़ाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह–जगह भजन–कीर्तन और श्रीरामचरितमानस के अखंड पाठ का आयोजन हुआ। एकादशी के का विशेष आकर्षण शीतला चौकियां धाम रहा जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। सिद्ध पीठ में पंडा परिवार

द्वारा गुलाब और गेंदा के फूलों के साथ रंग–बिरंगे अबीर–गुलाल से होली खेली गई। मंदिर परिसर में ढोल–नगाड़ों और जयकारों के बीच भक्तों ने एक–दूसरे को फूल अर्पित कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। धाम के महंत विवेकानंद महाराज ने पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रंगभरी एकादशी भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है तथा यह होली उत्सव की आधिकारिक शुरुआत मानी जाती है। मंदिर समिति के अध्यक्ष विकास पंडा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसके अलावा श्रद्धालु काल भैरव मंदिर पहुंचकर दर्शन–पूजन और रंगोत्सव में शामिल हुए। काल भैरव मंदिर के संस्थापक राजू दास महाराज एवं पुजारी परमेश पंडा की उपस्थिति में विशेष आरती संपन्न हुई। कार्यक्रम में बिक्री पंडा, राजेश पंडा, लड्डू पंडा, सौरभ पंडा, सोनू पंडा, पंकज पंडा, विनय पंडा, मुकेश्वर पंडा, रंजीत पंडा, राजा बाबू पंडा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। फूलों की वर्षा, भक्ति संगीत और नृत्य के साथ पूरा वातावरण रंगमय और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहा।

शासन की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें युवा और अभ्युदय कोचिंग का लाभ उठाएं – गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शासन के निर्देश पर जनपद के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय आईटीआई सिद्धिकपुर परिसर में शनिवार को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव तथा एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू ने दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया। मेले में टाटा, हिन्दालको सहित कुल 60 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया। स्किल एवं नॉन–स्किल, आईटीआई तथा अन्य डिग्री धारक युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। चयनित अभ्यर्थियों को मंच से नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार पारदर्शी प्रक्रिया

के तहत युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, मुद्रा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे शासन की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें और अभ्युदय कोचिंग का लाभ उठाएं। एमएलसी बृजेश सिंह 'प्रिंसू' ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनपद निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को युवाओं के लिए उपयोगी बताया। जिलाधिकारी ने बताया कि सेवायोजन विभाग द्वारा पारदर्शी तरीके से रोजगार उपलब्ध कराने हेतु यह मेला आयोजित किया गया है। उन्होंने विभाग की सराहना करते हुए।

संक्षिप्त खबरें

होली से पहले 4754 रसोइयों के खातों में गया जनवरी माह का मानदेय

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। होली से पहले ही जिले के 12 विकास खंडों में तैनात 4754 रसोइयों के खाते में जनवरी माह का मानदेय ध्2000 भेज दिया गया है।जिससे अब रसोइयों की होली फीकी नहीं होंगी।क्योंकि अभी तक कई रसोइया असमंजस में थी कि अभी तक उनके खातों में पैसा ना आया था।कही उनकी होली फीकी न पड़ जाए।लेकिन होली त्यौहार के पहले ही सभी रसोइयों के खातों में पैसा जनवरी माह का चला गया।इस संबंध में बीएसए लाल चंद्र व मध्यान भोजन प्रभारी अंकुर सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि जिले के 12 विकास खंडों में तैनात 4754 रसोइयों का जनवरी का मानदेय शनिवार को चला गया है।उन्होंने सभी रसोइयों को होली की शुभकामना देते हुए कहा कि वह सभी अपने–अपने परिवारों के साथ होली त्योहार को खुशी पूर्वक बनाएं।

बीएसए आफिस में तैनात सेवानिवृत हुए कर्मी के सम्मान में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।व्यक्ति कभी भी सेवानिवृत नहीं होता है।हॉं यह जरूर है कि व्यक्ति नौकरी पेशे से रिटायर्ड तो जरूर होता है लेकिन उसके बाद वह सामाजिक व पारिवारिक जिम्मेदारियों से जुड़ जाता है।उक्त बातें शनिवार को बीएसए लाल चंद्र ने बीएसए कार्यालय में तैनात रिटायर्ड कर्मचारी राम सुयश वर्मा के विदाई समारोह के दौरान कही।इस मौके पर उन्होंने कहा कि सेवा निवृत हुए राम सुयश वर्मा द्वारा किये गए कार्य की तारीफ

जितनी भी की जाए उतनी ही कम है।उन्होंने निष्ठा पूर्वक अपने दायित्व का निर्वाह किया।इससे पहले विदाई समारोह की शुरुआत सेवानिवृत्त कर्मचारी राम सुरेश वर्मा को माल्यार्पण व अंग वस्त्र पहनाकर किया।उसके पश्चात बीएसए लाल चंद्र ने उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य व स्वस्थ जीवन की कामना की।इस मौके पर नगर शिक्षा अधिकारी तारकेश्वर नाथ पांडे, खंड शिक्षा अधिकारी सोहावल रविता रावत, खंड शिक्षा अधिकारी तारुन यशवंत कुमार, मध्यान भोजन प्रभारी अंकुर सिंह, जिला समेकित शिक्षा अधिकारी शिवाकांत द्विवेदी,आदर्श सिंह, भास्कर सिंह,गिरजा शंकर पांडे,मुकुल श्रीवास्तव,विशाल सहित अन्य कर्मचारियों ने उन्हें माल्यार्पण कर उनके स्वस्थ जीवन की कामना किया।

वैज्ञानिक सोच ही आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की आधारशिला है – प्रो वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य समापन शनिवार को आर्यभट्ट सभागार में हुआ। कार्यक्रम में शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र–छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक सोच ही आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, शोध एवं सृजनात्मक चिंतन को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को तार्किक एवं प्रयोगधर्मी दृष्टिकोण विकसित करना होगा। उन्होंने सरकार द्वारा स्टार्टअप, इनक्यूबेशन और अनुसंधान को दिए जा रहे प्रोत्साहन का भी उल्लेख किया। मुख्य वक्ता बाबासाहब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रो. बाल चन्द्र यादव ने नैनोसाइंस सहित नवीन वैज्ञानिक अनुसंधानों और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था का है, जिसमें शोध और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। विशिष्ट वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. मृत्युञ्जय पाण्डेय ने गुणवत्तापूर्ण एवं नैतिक शोध की आवश्यकता पर बल दिया और युवाओं को मौलिकता व समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित क्विज, निबंध, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

छात्रवृत्ति आवेदन में गड़बड़ी पर सख्त हुआ पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जिम्मेदारों पर कार्रवाई के संकेत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने सत्र 2024–25 की छात्रवृत्ति प्रक्रिया में सामने आई अनियमितताओं को गंभीरता से लिया है। विश्वविद्यालय की समीक्षा में पाया गया कि कुछ संबद्ध महाविद्यालयों ने स्वीकृत सीटों से अधिक छात्रवृत्ति आवेदन स्कॉलरशिप पोर्टल पर अग्रसारित कर दिए हैं। प्रशासनिक जांच में स्पष्ट हुआ कि निर्धारित सीट संख्या से अधिक आवेदन अपलोड किए जाने से वास्तविक छात्र संख्या के सत्यापन की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इससे पात्र छात्रों की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से जारी निर्देश में संबंधित महाविद्यालयों को तत्काल सभी आवेदन पत्रों की जांच कर वास्तविक नामांकन के अनुरूप संशोधन करने को कहा गया है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि छात्र हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि यदि जांच में जानबूझकर गड़बड़ी या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित महाविद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संभावित कार्रवाई में स्पष्टीकरण तलब करना, छात्रवृत्ति प्रेषण प्रक्रिया पर अस्थायी रोक, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तथा उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजना शामिल है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी महाविद्यालयों को पारदर्शिता और नियमों के अनुपालन के साथ छात्रवृत्ति प्रक्रिया संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त खबरें

28 फरवरी से 5 मार्च तक बंद रहेंगे न्यायालय, 5 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद न्यायाधीश सुशील शशि ने बताया कि होली पर्व के मद्देनजर 28 फरवरी से 5 मार्च तक न्यायालयों में अवकाश रहेगा। साथ ही 5 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। जिला जज ने जानकारी दी कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा 15 जनवरी (मकर संक्रांति) को अवकाश घोषित किया गया था तथा उसके एवज में एक चतुर्थ शनिवार को कार्य दिवस निर्धारित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय कैलेंडर के प्रावधानों के अनुसार वर्ष में पांच स्थानीय अवकाश घोषित किए जा सकते हैं। इसी क्रम में पूर्व में 15 जनवरी को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के प्रस्ताव में उल्लेख किया गया कि 4 मार्च को होली का पर्व है और अगले दिन अधिवक्ताओं व वादकारियों के लिए न्यायालय आना कठिन होता है, क्योंकि सार्वजनिक परिवहन भी प्रभावित रहता है। इस पर विचार करते हुए 15 जनवरी के अवकाश के एवज में 5 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही 15 जनवरी के स्थानीय अवकाश के बदले 23 मई (चतुर्थ शनिवार) को न्यायिक कार्य दिवस रहेगा। आदेश जनपद न्यायालय तथा वाह्य न्यायालयों पर लागू होगा।

कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में बाइक सवार दंपति से लूट, मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में बीती देर रात बाइक सवार दंपति से हुई लूट के चलते आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियो ने मौके पर पहुंचकर मुकदमा दर्ज कर जांच करने की बात कही।बताते चलें कि शुक्रवार की देर रात कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के बेनीपुर चौराहे के पास बाइक सवार दंपति के साथ कुछ लुटेरों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। इस संबंध में सीओ बीकापुर पीयूष ने बताया इस घटना को संज्ञान में लेते हुए उन्होंने त्वरित मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है वहीं घटना की खुलासा के लिए चार टीमों का गठन भी किया है साथ ही साथ एसओजी को भी लगाया गया है। बताया कि पीड़ित दंपति पड़ोसी जनपद सुल्तानपुर के मोतिगरपुर क्षेत्र के है। बताया कि पुलिस को इस घटना से संबंधित कुछ सुराग में मिले हुए हैं और शीघ्र है इस घटना का खुलासा पुलिस कर देगी।

सेवानिवृत हुए पुलिसकर्मियों को एसपी ग्रामीण ने दिया स्मृति चिन्ह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या। शनिवार को सेवानिवृत्ति हुए पुलिस अधिकारीध्कर्मचारी को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी के द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर ससम्मान पुलिस विभाग मे उनके द्वारा दिये गये योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ, सुखमय जीवन तथा दीर्घायु होने की कामना की गई।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक लाइन, क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक व अन्य अधिध्कर्मचारीगण मौजूद रहे। बताते चले सेवानिवृत होने वालों में उ.नि.ना.पु, श्री दिनेश चन्द्र पाठक,उ.नि.ना.पु. कोलेश्वर यादव,उ.नि.ना.पु सेवाराम,मु0आ0 चालक यमुना प्रसाद शामिल रहे।

आधुनिकता के दौर में लोक संस्कृति का प्रहरी : श्री द्वारिकाधीश लोक संस्थान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आधुनिकता की चकाचौंध के बीच जहां पारंपरिक लोकधुनें धीरे–धीरे विलुप्त हो रही हैं, वहीं बक्शा विकास खंड के चुरावनपुर स्थित 'श्री द्वारिकाधीश लोक संस्थान' बीते 40 वर्षों से मौन साधक की तरह पूर्वांचल की लोक संस्कृति की जड़ों को सींच रहा है। यह संस्थान न केवल अवधी लोकगीतों को जीवित रखे हुए है, बल्कि उन्हें सात समंदर पार फिजी और सूरीनाम में बसे भारतीय परिवारों तक भी पहुंचा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो. मनोज मिश्र ने इस कार्यक्रम के बारे में शनिवार को हिंदुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए कहा कि पूर्वांचल के बड़ी संख्या में गिरमिटिया श्रमिक फिजी और सूरीनाम में बसे हैं, जिनकी रग–रग में आज भी भारतीय संस्कृति जीवित है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों से वे आज भी अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। संस्थान की स्थापना चार दशक पूर्व चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने की थी। उनका उद्देश्य गांव की मिट्टी से जुड़े चौताल, उलारा, डेढ़ ताल, बेलवइया, फगुआ, चहका, धमार और चौता जैसी लोकविधाओं को संरक्षित करना था। स्वर्गीय वंशराज सिंह, बैजनाथ सिंह और पंचदेव सिंह ने भी इस परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. मिश्र कहते हैं कि आज होली के नाम पर प्रचलित कई गीत परिवार के साथ सुनने योग्य नहीं रह गए हैं, जबकि पारंपरिक फागुनी गीतों में प्रकृति, प्रेम और सौंदर्य का सहज चित्रण मिलता है। "बनन में कोयल कागा बोले" और "घरवन वन में गौरैया चहचहानी" जैसे गीत प्रकृति से जुड़ाव का संदेश देते हैं।आज प्रो. मनोज मिश्र और उनकी टीम इस सांस्कृतिक मशाल को आगे बढ़ा रही है। सुजियामऊ निवासी श्रीपति उपाध्याय, पंडित रामसकल दूबे, त्रिवेणी पाठक, कैलाश शुक्ल, प्रज्ञाचक्षु बाबू बजरंगी सिंह, बड़कऊ उपाध्याय और सत्यनाथ पांडेय जैसे लोक साधक इस प्रयास में सक्रिय हैं। संस्थान ने आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए दुर्लभ लोकगीतों को यूट्यूब पर उपलब्ध कराया है, जिससे देश–विदेश में बसे भारतीय अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रह सकें। संस्थान का संकल्प है कि यह समृद्ध परंपरा कभी विलुप्त न होने पाए।

होली को लेकर बाजारों में रौनक, हर्बल गुलाल की बढ़ी मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में रंगों का पर्व होली इस बार रंगभरी एकादशी से शुरू होकर मुख्य पर्व तक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। त्योहार नजदीक आते ही शहर से लेकर गांव तक बाजारों में चहल–पहल बढ़ गई है। रंग, गुलाल और पिचकारियों से सजी दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। खास बात यह है कि इस वर्ष लोगों में हर्बल गुलाल के प्रति विशेष आकर्षण देखा जा रहा है। शहर के प्रमुख बाजारोंकृओलंदगंज, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा, लाइन बाजार और कचहरी क्षेत्रकृमें रंग–बिरंगे गुलाल और अबीर से दुकानें सजी हुई हैं। बच्चों के लिए आकर्षक पिचकारियां और

पानी के टैंक भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार लोग केमिकल रंगों की बजाय त्वचा के अनुकूल हर्बल उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। होली के पारंपरिक व्यंजनों की तैयारी भी जोरों पर है। आलू, साबूदाना और मूंग के पापड़ के साथ–साथ चावल, मक्का और साबूदाना के चिप्स की दुकानों पर अच्छी बिक्री हो रही है। मैदा, रिफाइंड तेल और मसालों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग शहर पहुंचकर त्योहार से जुड़ी खरीदारी कर रहे हैं। जिले के अन्य प्रमुख बाजारोंकृशाहगंज, खेतासराय, मछलीशहर, मड़ियाहूं, केराकत और जलालपुरकृमें भी होली की तैयारियां तेज हैं। इस वर्ष होलिका दहन 2 मार्च को तथा रंगोत्सव 4 मार्च को मनाया जाएगा। त्योहार को लेकर लोगों में उत्साह और उमंग का माहौल है, जिससे बाजारों में रौनक चरम पर पहुंच गई है।

होली से पहले मिलावटखोरों पर खाद्य विभाग ने कसा शिकंजा, 230 किलो मिठाई नष्ट, कई नमूने जांच को भेजे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । यूपी के जौनपुर में होली पर्व को देखते हुए मिलावटी खाद्य एवं तेल पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

शुक्रवार को अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों व तहसीलों में छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए गए। कार्रवाई से दुकानदारों और खोवा विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। मुख्य खाद्य अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल तथा सहायक खाद्य आयुक्त देवाशीष उपाध्याय के नेतृत्व में बदलापुर तहसील क्षेत्र में कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान चार नमूने संग्रहित किए गए और संदिग्ध

पाए गए खाद्य पदार्थों को कब्जे में लेकर नष्ट कराया गया। कार्रवाई के तहत 105 किलोग्राम डोडा बर्फी

अनुमानित मूल्य 13,650 तथा 125 किलोग्राम मिल्क केक अनुमानित मूल्य 25,000 नष्ट किया गया। इसके अलावा सूजी और सरसों के तेल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इसी क्रम में नगर कोतवाली अंतर्गत चहारसू चौराहा स्थित खोवा मंडी में खाद्य निरीक्षक टीम के पहुंचते ही विक्रेताओं में अफरा–तफरी मच गई। कई विक्रेता अपनी दुकानें छोड़कर इधर–उधर भागने लगे। टीम ने तीन दुकानदारों से खोवा के नमूने लेकर जांच हेतु भेज दिए।इस मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के मद्देनजर मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। सभी सैंपल को प्रयोगशाला में जांच हेतु भेज दिया गया है।जांच रिपोर्ट आने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मयंक दुबे, भानु प्रताप सिंह, राजेश कुमार, अंजू यादव, अपराजिता तिवारी और कमला रावत सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।